बी.ए. हिन्दी

सीबीसीएस (CBCS) के अंतर्गत स्नातक स्तरीय हिन्दी पाठ्यक्रम के ध्येय एवं उद्देश्य

पाठ्यक्रम के सामान्य ध्येय एवं उद्देश्य -

● हिन्दी भाषा के मानक रूप को जानने, लिखने और बोलने के लिए विधार्थियों को तैयार करना।

● हिन्दी साहित्य के विभिन्न कवियों के साथ-साथ विभिन्न कथाकारों और लेखकों के जीवन और साहित्य से परिचित कराना ।

● विधार्थियों को खड़ी बोली के साथ-साथ हिन्दी की विभिन्न बोलियों जैसे अवघी, मैथली, ब्रजभाषा, सधुक्कड़ी आदि से परिचित कराना।

● विधार्थियों को साहित्य की विभिन्न विधाओं जैसे कविता, नाटक, उपन्यास, कहानी, निबन्ध, संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोतार्ज और आनुवाद साहित्य के सम्बन्ध में तथ्यात्मक जानकारी प्रदान करना।

● विधार्थियों से हिन्दी साहित्य की कुछ महत्वपूर्ण गद्य और पद्य रचनाओं का पठन-पाठन, विश्लेषण कराना।

● अनुवाद और कार्यालयी हिन्दी की महता और कंप्यूटर पर हिन्दी भाषा के अनुप्रयोग के तहत विधार्थियों को जागरूक करना।

● दैनिक जीवन में काम आने वाली प्रयोजनमूलक हिन्दी भाषा से विधार्थियों को परिचित कराना ।

पाठ्यक्रम के विशिष्ट ध्येय एवं उद्देश्य -

● विधार्थियों को मानसिक और मनोवेज्ञानिक रूप से साहित्य के आस्वादन के लिए तैयार करना।

● विधार्थियों को साहित्य की विभिन्न विधाओं में मोखिक लेखन के लिए प्रेरित करना और विभिन्न प्रसंगो के संक्षेपण और पल्ल्वन के लिए तैयार करना।

● विधार्थियों को अपने विचारों और भावनाओं को मानक हिन्दी भाषा में लिखने के लिए प्रेरित करना।

● भाषा और साहित्य तथा इससे जुड़े क्षेत्रो में करियर बनाने के लिए छात्रों को तैयार करना ।

● छात्रों को शैक्षणिक संस्थानों में उच्च शिक्षा (स्नातकोत्तर और उससे ऊपर)के लिए जागरूक और योग्य बनाना।

● प्रतियोगिता परिक्षाओ जैसे स्नातकोत्तर हिन्दी परीक्षा, नेट, सेट, सहायक प्राध्यापक, हिन्दी अनुवादक के तहत विधार्थियों को जागरूक बनाना और व्यक्तिगत रूप से पाठ्य सामग्री द्वारा उनकी सहायता करना।

प्रत्येक पर्चे का ब्यौरा और ध्येय / उद्देश्य –

क्रम संख्या	कोड का नाम	
1	प्रयोजनमूलक हिन्दी (Core Compulsory) HIND101	विधार्थी पत्र लेखन, प्रारूपण, टिप्पण, प्रतिवेदन के व्यावहारिक पक्ष पर प्रकाश डाल सकेंगे और मुहावरे, लोकोक्ति, शव्द-प्रयोग, पारिभाषिक शव्दावली,कार्यालयी हिन्दी अनुवाद और कंप्यूटरर में हिन्दी के प्रयोग से जुड़ी जानकारी को अभिव्यक्त कर सकेंगे।
2	हिन्दी साहित्य का इतिहास (DSC-1A) HIND 102	विधार्थी हिन्दी साहित्य के विविध कवियों तथा कालों आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल और आधुनिककाल की विविध काव्यधाराओ ,प्रमुख कवियों तथा प्रत्येक कालों की राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक और मनोविज्ञानिक विवेचन और विश्लेषण करने में सक्षम होंगे तथा विभिन्न कवियों से जुड़े तथ्यों को बता पाने में समर्थ होंगे।
3.	मध्यकालीन हिन्दी कविता (DSC -1B) HIND 103	विधार्थी मध्यकाल के प्रसिद्ध कवियों कबीर, सूरदास, तुलसीदास, मीराबाई, रसखान, बिहारी, भूषण और घनानंद के जीवन परिचय तथा कृतित्व से जुड़े तथ्य बता सकेंगे और इनकी काव्यगत विशेषताओ पर प्रकाश डाल सकेंगे। इसके अतिरिक्त इन कवियों की कुछ काव्य-रचनाओं की व्याख्या कर सकेंगे और केंद्रीय भावों को भी स्पष्ट कर पाएँगे।
4	हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण (AECC) HIND 104	इस विषय के माध्यम से भाषा की शुद्धता ,व्याकरणिक नियमावली शब्द ज्ञान / पारिभाषिक शब्दावली / जैसे विषय मुख्य रूप से व्यावहारिक और कार्यालयी दृष्टि से अत्यंत प्रासंगिक है | प्रायः देखने को मिला है कि भाषिक दृष्टि से हमारा ज्ञान विशेषतः लेखन के परिप्रेक्ष्य में निम्न स्तर का रहता है ..इसलिए यह पाठ्यक्रम शिक्षार्थियों को सबल बनाता है |

5	अनिवार्य हिन्दी (रचना पुंज) (Core Compulsory) HIND 201	विधार्थी कबीर, घनानन्द, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, बालकृषण शर्मा नवीन अज्ञेय, मुक्तिबोध, धूमिल की कुछ काव्य रचनाओं की व्याख्या करने में सक्षम होंगे और प्रेमचन्द, मोहन राकेश काशीनाथ सिंह , उदय प्रकाश रामधारी सिंह, दिनकर, श्रीलाल शुक्ल की एक-एक गद्य रचना का पाठ-विश्लेषण कर सकेंगे और केंद्रीय भाव को भी स्पष्ट कर पाएँगे।
6	आधुनिक हिन्दी कविता (DSC-1A)HIND 202	विधार्थी आधुनिक काल के प्रसिद्ध कवियों भारतेंदु हरीशचन्द्र, हरीऔध, मैथलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, ,अज्ञेय, नागार्जुन, नरेश मेहता के व्यक्तिगत पररिय काव्य-कृतियो से जुड़े तथ्य बता पाने में सक्षम होंगे और इन सभी कवियों की कुछ काव्य- रचनाओं की व्याख्या भी कर पाएँगे और केंद्रीय भावों पर भी प्रकाश डाल सकेंगे
7	हिन्दी गद्य साहित्य (DSC- 1B) HIND 203	विधार्थी जैनेन्द्र कुमार के उपन्यास 'त्यागपत्र', हिन्दी कहानी नमक का दारोगा, आकाशदीप, परदा, वापसी और हिंदी निबन्ध लोभ और प्रीती, कुटज, संस्कृति और शिक्षा तथा भूमण्डलीकरण की तात्त्विक समीक्षा करने में सक्षम होंगे और इन रचनाओं का सार भी बता पाएँगे। इसके अतिरिक्त इन रचनाओं के लेखको के व्यक्तित्व और कृतित्व पर भी प्रकाश डाल पाएँगे।
8	कार्यालयी हिन्दी(SEC-1) HIND 204	इस विषय के अध्ययन से शिक्षार्थी सरकारी कार्यालयों / अर्द्ध सरकारी व गैर सरकारी कार्यालयों में लिपिक या कार्यालय असिस्टेंट के पद में कार्य कैसे किया जाता है उसका विस्तृत रूप में बोधगम्यता को देखा गया है | कार्यालयों में नोटिंग (टिप्पण) , प्रतिवेदन (रिपोर्ट), प्रारूपण (ड्राफ्ट) कैसे की जाती है उसकी पूर्ण विषयवस्तु इस पाठ्यक्रम में है | अतः कौशल संवर्धन की दृष्टि से इस विषय की प्रासंगिकता तर्कसंगत है |
9	अनुवाद विज्ञान ((SEC-2) HIND 206	इस पाठ्यक्रम में शिक्षार्थी को भाषिक अनुवाद के बारे में बोध करवाया जाता है | कार्यालयी दृष्टि से अनुवाद का गहन विवेचन और विश्लेष्ण हुआ है | जब भी किसे पद हेतु शिक्षार्थी की अहर्ता देखी जाती है ,,वहां अनुवाद का ज्ञान अति आवश्यक होता है अतः उक्त विषय भी पठनीय और प्रासंगिक है |

10.	लोक साहित्य (DSC-1A) HIND 305	लोक जन में वास करता है | लोक ही मनुष्य के जीवन का अधिष्ठान होता है | लोक ही संस्कृति का वाहक है | संस्कृति हमें संस्कार देती है | जब जीवन में संस्कार आते हैं तभी जीवन मूल्यों का निधर्न कर सशक्त समाज का निर्माण करता है| स्थानीयता से स्वावलंबन की भावना यह विषय हमें देता है |
11.	छायावादोत्तर हिन्दी कविता (DSE-1B) HIND 306	छायावादोत्तर कविता के विख्यात कवियों अज्ञेय , मुक्तिबोध, नागार्जुन, शमशेर बहादुर सिंह , भवानी प्रसाद मिश्र, कुँवर नारायण, सिंह, केदारनाथ सिंह के व्यक्तित्व और कृतित्व से सम्बन्धित तथ्य प्रस्तुत कर सकेंगे, इनकी काव्यगत विशेषताओ बता सकेंगे। इसके साथ-साथ इनकी कुछ प्रसिद्ध कविताओ की सप्रसंग व्याख्या भी कर सकेगे।
12	रंग आलेख एवं रंगमंच (SEC-3) HIND 301	विधार्थी रूपक , उपरूपक, एकाकी, लोकनाट्य, प्रहसन, काव्यनाटक, नुक्कड़ नाटक, प्रतीक नाटक, भावनाट्य, रेडियो नाटक को परिभाषित कर सकेंगे। हिन्दी के प्रमुख नाटककारों, हिन्दी के शोकिय एवं व्यावसायिक मंच तथा हिन्दी क्षेत्र की प्रसिद्ध रंगशालाए, रंग शिल्प प्रशिक्षण और रंग समीक्षा के सम्बन्धित तथ्यो को परिभाषित तथा विश्लेषण कर सकेंगे।
13	समाचार संकलन और लेखन (SEC-4) HIND 304	विधार्थी समाचार की परिभाषा, बुनियादी तत्त्व और स्त्रोतों के विषय में बता सकेंगे। खोजी, व्याख्यात्मक और अनुवर्तनात्मक समाचार रिपोर्टिंग के साथ-साथ इसके प्रकार राजनीति , विज्ञान, कानून, साहित्य और संस्कृति, खेलकूद, पर्यावरण आदि से सम्बन्धित रिपोर्टिंग का विश्लेषण कर सकेंगे और समाचार के क्षेत्र, मिडिया तथा शीर्षक के प्रकारों तथा उनके तत्त्व के बारे में भी विचार अभिव्यक्त कर पाएँगे।